(ग) विद्या विनम्रता प्रदान करती है।

(घ) सत्य से बढ़कर धर्म नहीं है।

(ङ) शिशु माता को स्मरण करता है।

(च) सीता राम के साथ वन में गई।

(छ) मन्थरा पीठ से कुबड़ी थी।

(ज) वृक्ष से पत्ता गिरता है।

(झ) मुझे फल अच्छे लगते हैं।

(ञ) राम से श्याम सुन्दर है।

(ट) संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है।

(ठ) शिव को नमस्कार। (1×8=8)

Roll No. ..... Total Pages : 4

BAE/A-15 **106**

SANSKRIT (Compulsory)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 90

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) नित्योऽनित्यानां चेतनोऽचेतनानाम्,
एको बहूनां यो विदधाति कामान्।
तमात्मस्थं येऽनुपश्यन्ति धीरा–
स्तेषां शान्तिः शाश्वती नेतरेषाम्।।

(ख) त्वमेकं शरण्यं त्वमेकं वरेण्यं,
त्वमेकं जगत्पालकं स्वप्रकाशम्।
त्वमेकं जगत्कर्तृ पातृ प्रहर्तृ,
त्वमेकं परं निश्चलं निर्विकल्पम्।।

(ग) अर्थेन हि विहीनस्य पुरुषस्याल्पमेधसः,
विच्छिद्यन्ते क्रियाः सर्वाः ग्रीष्मे कुसरितो यथा। (5×2=10)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए :

(क) धर्मज्ञो गुणवान् दान्तः कृतज्ञः सत्यवाञ्च्छुचिः।
रामो राजसुतो ज्येष्ठो यौवराज्यमतोऽर्हति।।

(ख) तृणमन्तरतः कृत्वा प्रत्युवाच शुचिस्मिता।
निवर्तय मनो मत्तः स्वजने क्रियतां मनः।।

(ग) नैवं विनष्टाः शोचन्ते क्षत्रधर्ममवस्थिताः।
वृद्धिमाशंसमाना ये पतन्ति रणाजिरे।।

(घ) अर्थाद् धर्मश्च कामश्च स्वर्गश्चैव नराधिप।
प्राणयात्रापि लोकस्य विना ह्यर्थं न सिद्ध्यति।।

(ङ) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।। (4×3=12)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिए :

(क) सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। आचार्याय प्रियं धनमाहृत्य प्रजातन्तुं मा व्यवच्छेत्सीः सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्।

(ख) अथ कदाचिज्जातिक्रमाच्छशकस्यावसरः समायातः। स समस्तमृगैः प्रेरितोऽनिच्छन्नपि मन्दं-मन्दं गत्वा तस्य वधोपायं चिन्तयन् वेलातिक्रमं कृत्वा व्याकुलितहृदयो यावद् गच्छति तावन्मार्गे गच्छता कूपः संदृष्टः। यावत्कूपोपरि याति तावत् कूपमध्य आत्मनः प्रतिबिम्बं ददर्श।

(ग) चटका प्राह-'अस्त्वेतत्। परं दुष्टगजेन मदान्मम संतानक्षयः कृतः। तद्यदि मम त्वं सुहृत्सत्यस्तदस्य गजापसदस्य कोऽपि वधोपायश्चिन्त्यताम्, यस्यानुष्ठानेन मे सन्ततिनाशदुःखमपसरति। काष्ठकूट आह- भगवति ! सत्यमभिहितं भवत्या।
(7½×2=15)

4. 'नीलवर्णः शृगालः' **अथवा** 'मायाविभिरुष्ट्रो हतः' नामक पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए। 8

5. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए :
(i) कवि (प्रथमा व द्वितीया)
(ii) लता (चतुर्थी व पञ्चमी)
(iii) फल (षष्ठी व सप्तमी)
(iv) पितृ (द्वितीया व तृतीया)
(v) विद्वस् (द्वितीया व पंचमी)
(vi) अस्मद् (तृतीया व चतुर्थी)। (3×4=12)

(ख) किन्हीं **पाँच** धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए :
√पठ-लङ् लकार √लभ्-लट् लकार
√भू-लोट् लकार √दा-विधिलिङ् लकार
√अस्-लृट् लकार √चुर्-लङ् लकार
√स्था-लट् लकार √कृ-लृट् लकार। (3×5=15)

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि कीजिए :
देव + आलयः, मुनि + इन्द्रः, गण + ईशः,
प्रति + एकम्, गंगा + ओघः, तत् + टीका,
अच् + आदि, हरिः + शेते। (1×5=5)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि-विच्छेद कीजिए :
शिवालयः, सूक्तिः, तथेति, एकैकम,
नद्यम्बुः, स्वागतम्, वागीशः, सज्जनः। (1×5=5)

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :
(क) हम भ्रमण के लिए जाते हैं।
(ख) वह गाय का दूध निकालता है।